पाठ १७ बोलने वाली माँद

कहानी का सारांश

खरनखर नाम का एक सिंह भूख से परेशान था। वह आहार की तलाश में पूरे जंगल में घूमता रहा, लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। रात होने वाली थी, इसलिए उसने आश्रय के लिए एक माँद ढूंढी। उसने सोचा कि इसमें कोई जानवर जरूर होगा, जिसे वह रात के भोजन के लिए पकड़ लेगा।

उसी माँद में दधिपुच्छ नाम का एक सियार रहता था। माँद के पास आकर उसने सिंह के पैरों के निशान देखे। उसे डर था कि सिंह अभी भी माँद में छिपा हो सकता है। उसने चालाकी से माँद को पुकारा, जैसे कि वह उसकी माँ हो।

सिंह को लगा कि सियार माँद से बात करता है। उसने सोचा कि डर के मारे माँद चुप है, इसलिए उसने खुद जवाब दिया। उसकी दहाड़ से सियार डर गया और भाग गया।

शिक्षा :

- चालाकी से हर मुश्किल का समाधान निकल सकता है।
- हमें हमेशा सावधान रहना चाहिए और अजनबियों से सावधान रहना चाहिए।
- डर के आगे हार नहीं माननी चाहिए।

शब्दार्थ

जंगल	:	वन	**विश्वास**	:	यकीन, भरोशा
आहार	:	भोजन, खाद्य पदार्थ	**डर**	:	भयभीत
चूहा	:	इंदुर, मूषक	**ध्वनि**	:	नाद, आवाज, स्वर
माँद	:	बिल, गुफा	**स्थान**	:	जगह
विश्राम	:	आराम	**शिकार**	:	आखेट, मृगया, अहेर
द्वार	:	दरवाज़ा, किवाड़	**दहाड़**	:	गर्जना, चिंघाड़
चिह्न	:	निशान	**चौकन्ने**	:	सतर्क, सावधान
भीतर	:	अंदर	**चंपल**	:	कपटी

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. आपको भूख लगती है तो आप क्या-क्या खाने की कामना करतें हैं?

उत्तर:- अगर मुझे भूख लगती हैं तो में स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन खाना चाहता, जैसे कि ताज़ी सब्जियां और फल, गर्म रोटी या चावल, स्वादिष्ट दाल या करी, मीठी मिठाई।

2. क्या आपने किसी पशु के पैर के चिह्न देखे हैं? किस-किस पशु के देखे हैं?

उत्तर:- मैंने कुत्ते, बिल्ली, पक्षी, हाथी, घोड़ा आदि जानवरों के पैरों के निशान देखे है।

3. सिंह माँद यानी गुफा में रहता है। माँद में कौन-कौन से जानवर रहते हैं?

उत्तर:- माँद या गुफा में लोमड़ी, खरगोश, चूहे, सांप, भेड़िया, भालू आदि जानवर रहते हैं।

4. कठिन समय में बुद्धि अधिक काम आती है या शक्ति?

उत्तर:- कठिन समय में, हमें अपनी बुद्धि और शक्ति का बुद्धिमानी से उपयोग करना चाहिए।

सोचिए और लिखिए

1. दधिपुच्छ ने कैसे जाना कि माँद में खरनखर बैठा है?

उत्तर:- दधिपुच्छ ने माँद के द्वार पर सिंह के पैरों के चिन्ह देखे थे। ये चिह्न माँद में प्रवेश के थे, लेकिन वापसी के नहीं। इससे उसे समझ में आ गया कि कोई सिंह माँद के अंदर छिपा हुआ है।

2. इस कहानी में सिह का नाम खरनखर है और सियार का नाम दधिपुच्छ, आप इनके क्या नाम रखेंगे?

उत्तर:- यह कहानी में पाठकों की कल्पना पर निर्भर करता है। यदि मैं इनके नाम बदलता, तो शायद सिंह का नाम "वीर" और सियार का नाम "चतुर" रखता।

3. यदि आप सिंह के स्थान पर होते तो क्या करते?

उत्तर:- यदि मैं सिंह के स्थान पर होता, तो मैं शायद दधिपुच्छ की चालाकी को समझ जाता और छिपकर बैठे रहता। दधिपुच्छ के जाने के बाद, मैं शांत तरीके से माँद से बाहर निकल जाता।

4. जब सियार ने पुकारा, "ऐ मेरी माँद, ऐ मेरी माँद", तब सिंह ने उत्तर दिया। सिंह ने उत्तर में क्या कहा होगा?

उत्तर:- यह भी संभव है कि सिंह ने दधिपुच्छ को डराने के लिए दहाड़ लगाई हो।

शब्दों का खेल

1. कहानी में 'माँद' शब्द कितनी बार आया है?

उत्तर:- कहानी में 'माँद' शब्द 17 बार आया है।

2. कहानी में आए चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द छाँटकर लिखिए-

उत्तर:- अँधेरा माँद मुँह गुँज

www.onepointlearning.com

3. समान अर्थ वाले शब्दों की जोड़ी बनाकर लिखिए-

उत्तर:- शेर = सिंह गुफा = माँद जंगल = वन द्वार = दरवाजा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरा कीजिए-

नदी	पहाड़	झरना	पेड़	गुफा
माँद	तितली	हवा	बादल	जाल

भूल गई

उदाहरण - माँद! क्या तू भूल गई?

नदी! क्या तू भूल गई?

झरना! क्या तू भूल गई?

तितली! क्या तू भूल गई?

हवा! क्या तू भूल गई?

भूल गया

उदाहरण - जाल! क्या तू भूल गया?

पहाड़! क्या तू भूल गया?

पेड़! क्या तू भूल गया?

गुफा! क्या तू भूल गया?

बादल! क्या तू भूल गया?

5. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिएँ-

बाहर चुप जवान सचमुच याद उजाला

उदाहरण - अँधेरा हो रहा था, उजाला हो रहा था।

(क) सिंह इस समय भी माँद के भीतर है या बाहर **निकल गया।**

(ख) आज बोलती क्यों नहीं? चुप **क्यों है?**

(ग) मैं बूढा हो गया हूँ। पहले तो मैं जवान **था।**

(घ) यह माँद झूठ-मूठ ही जवाब देती है या फिर सच-मुच **बोलती है।**

6. सही अर्थ की जोड़ी बनाइए -

(क) एक चूहा तक हाथ नहीं लगा	**बड़ी संकट में फँस गया**
(ख) मेरी जान पर ही आ जाती	**भाग गया**
(ग) सियार वहाँ से चंपल हो गया	**कोई शिकार नहीं मिला**

7. अपने मन से वाक्य बनाइए-

उदाहरण - यदि चुप रहा तो हाथ आया शिकार भी चला जाएगा।

(क) यदि बोला तो मैं अपनी जान गंवा दूंगा।

(ख) यदि अधिक वर्षा हुई तो फसलें बर्बाद हो जाएँगी और किसानों को भारी नुकसान होगा।

(ग) यदि कड़ी धूप हुई तो मैं प्यास से तिलमिला उठूँगा और पानी की तलाश में भटकना पड़ेगा।

(घ) यदि अँधेरा हुआ तो मैं रास्ता भटक सकता हूँ और खो सकता हूँ।

www.onepointlearning.com